सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 70 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 15 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

वो जो प्रसंशा करना जानता है, अपमानित करना भी जानता है।
– नेपोलियन बोनापार्ट

लखनऊ के सामने आरसीबी के बल्लेबाजों... 7 | तमिलनाडु में चुनाव प्रचार, एक-दूसरे... 3 | भाजपा सरकार में महिलाएं ही सबसे... 2

बिहार सम्राट पर पीके का हल्ला शपथ से पहले फैल गया रायता

उनके पिता शकुनि चौधरी का एक वीडियो भी तेजी से हो रहा है वायरल

» नीतीश कुमार की छाया से क्या बाहर निकल पाएगा बिहार!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में डिप्टी सीएम के पद पर कार्य कर रहे सम्राट चौधरी को प्रमोशन मिला है और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया है। सम्राट चौधरी के गद्दीनशी होते ही इतना क्लियर हो गया कि राजनीति में सबकुछ बदल गया हो लेकिन कांटे से कांटा निकालने की रीति आज भी कायम है। सम्राट चौधरी के नाम पर मोहर लगने का मतलब इतना तो तय है कि कोरी कुशवाहा के गणित से बिहार की राजनीति बाहर नहीं निकल पायी है।

बिहार में इन दोनों जातियों को एक साथ लव-कुश कहा जाता है जो नीतीश कुमार की राजनीति का मुख्य आधार रहा है। सम्राट चौधरी के शपथ लेते ही बिहार में पहली बार बीजेपी का सीधे मुख्यमंत्री वाला राज स्थापित हो जाएगा। सम्राट चौधरी के सीएम बनते ही बिहार में नई बहस शुरू हो चुकी है। वैसे तो वह कुशल राजनीतिक परिवार से आते हैं और राजनीति के सभी दांव पेचों से बखूबी वाकिफ है लेकिन उन पर सभी को साथ लेकर चलने और उनके अतीतकाल को लेकर प्रश्नचिन्ह भी खूब लगाये जा रहे हैं।

सिर चढ़कर बोल रहा है कोरी कुशवाहा समीकरण

बिहार की राजनीति दशकों से लवकुश समीकरण पर टिकी रही है। लव-कुश समीकरण यानी कोरी और कुशवाहा जातियों का गठजोड़ एक बार फिर सत्ता की कुंजी बनता दिख रहा है। यही वह फार्मूला है जिसे नीतीश कुमार ने अपने शासन की रीढ़ बनाया था और अब सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लगने का मतलब है कि वही पुराना समीकरण आज भी उतना ही प्रासंगिक है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ सामाजिक समीकरण की जीत है या राजनीतिक मजबूरी? क्या भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है या फिर यह फैसला आने वाले चुनावों के दबाव में लिया गया एक जोखिम भरा दांव है? बिहार की राजनीति में कांटे से कांटा निकालने की परंपरा भले पुरानी हो लेकिन इस बार कांटा कुछ ज्यादा ही नुकीला नजर आ रहा है। शपथ से पहले ही जो तूफान उठा है, वह साफ संकेत दे रहा है कि आने वाले दिनों में यह सियासी लड़ाई और ज्यादा तेज, और ज्यादा तल्ख होने वाली है।

प्रशांत किशोर ने लगाई आरोपों की झड़ी

बिहार की राजनीति में खुद को चाणक्य समझने वाले प्रशांत किशोर उर्फ़ पीके को सम्राट चौधरी की ताजपोशी से सबसे ज्यादा दिक्कत लग रही है। चौधरी के नाम का एलान होते ही पीके ने उनको लेकर बड़े आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा है कि पूरे देश में इस पद पर बैठे व्यक्तियों में सम्राट चौधरी से बड़े अपराधिक आरोप किसी दूसरे व्यक्ति पर नहीं लगे हैं। पीके का कहना है कि सम्राट चौधरी कुशवहा समाज के आधा दर्जन लोगों की हत्याओं के आरोप में जेल में सजा काट चुके हैं और फर्जी नाबालिग सार्टिफिकेट के आधार पर जेल से छूटे व्यक्ति हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि हद तो यह है कि चुनाव आयोग के हलफनामे में जेल के सार्टिफिकेट को छुपाया गया है। यदि जांच हो जाए तो यह फिर से जेल चले जाएंगे। उन्होंने कहा है कि जिस कुशवाहा जाति की यह राजनीति करते हैं उसी कुशवाहा जाति के लोगों की हत्याएं हुई थी।

विपक्षी नेताओं का दावा- नीतीश कुमार की जगह कोई नहीं ले सकता

एनडीए नेताओं का कहना है कि सम्राट चौधरी नीतीश कुमार के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। वहीं विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि नीतीश कुमार की जगह कोई दूसरा नेता नहीं ले सकता। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार की जगह कोई नहीं ले सकता उनकी एक अलग छवि थी और उन्होंने बिहार में बहुत काम किया है। उन्होंने कभी किसी वर्ग को पीछे नहीं छोड़ा सभी वर्गों के लिए विकास कार्य किया। इंडिया गठबंधन के वक्त हम सभी लोगों को उम्मीद थी कि वे हमारे साथ रहकर देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा ने ऐसा खेल किया है कि राज्यसभा के सदस्य के तौर पर रिटायर हो जाएंगे। भाजपा ने नीतीश कुमार का सपना तोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि देश के लोकतंत्र के साथ भाजपा बहुत बड़ा खिलवाड़ करने जा रही है। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि सम्राट चौधरी का पार्टी बदलने के मामले में कोई एक जैसा रुख नहीं रहा है। उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत लालू यादव की पार्टी से हुई थी। उनके पिता कांग्रेस पार्टी में थे इसलिए आप कह सकते हैं कि उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि की जड़ें कांग्रेस में ही हैं। उसके बाद समय के साथ वे एक से दूसरी पार्टी में जाते रहे और आखिर में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। यह कहना मुश्किल है कि भविष्य में वे कहां जा सकते हैं। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा कि नीतीश कुमार ने लंबे समय तक बतौर सीएम काम किया। उनके साथ एक राजनीतिक खेल खेला गया। भारतीय जनता पार्टी ने उनसे वहां इस्तीफा दिलवाया उन्हें यहां ले आई और अपनी सरकार बना ली। यह भाजपा की एक साजिश लगती है। महाराष्ट्र में शिंदे साहब के साथ क्या हुआ। नायडू भी अब चुप रहेंगे। बिहार के अंदर भाजपा की सरकार आ गई। उन्होंने आशंका जताई है कि जब उनके बेटे का नाम डिप्टी सीएम के लिए आगे नहीं आ रहा है तो नीतीश कुमार ने इस्तीफा देने का विचार क्यों किया। बिहार की जनता ने जो जनादेश नीतीश कुमार के नाम पर एनडीए को दिया बिहार की जनता को धोखा मिला है।

सम्राट चौधरी को तमाम नेताओं ने दी बधाई

मुंगेर में जश्न का माहौल

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के एलान के बाद उन्हें बधाईयों का तांता मिलना शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि बिहार में भी भाजपा का नया इतिहास होगा। मुझे पूरा विश्वास है। एलजेपी (राम विलास) नेता मिथिलेश सिंह ने कहा है कि सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री चुने जाने पर हम लोग बहुत खुश हैं। मिठाई बांटी जा रही है। तारापुर विधानसभा में लोगों में उत्साह है। मुंगेर जिले से मुख्यमंत्री बनने वाले सम्राट चौधरी दूसरे नेता हैं। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी विकास पुत्र हैं, अब और भी विकास होगा। सम्राट चौधरी के अंदर भेदभाव नहीं है। वह पूरे बिहार का विकास करेंगे। उत्तर प्रदेश

सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने सम्राट चौधरी को बिहार का नया मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम लोग भी चाहते थे कि बिहार में बहार आए और एनडीए की सरकार आए। एनडीए की सरकार आ गई और अब सम्राट चौधरी सीएम बनने जा रहे हैं, बहुत-बहुत बधाई। भाजपा सांसद मैथिली ठाकुर ने कहा कि सम्राट चौधरी को मैं बहुत बधाई देती हूं। आज एक बड़ा और ऐतिहासिक दिन है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे और सम्राट चौधरी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा कि सम्राट चौधरी नीतीश कुमार द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। नितिन नवीन ने विश्वास जताया कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि यह बिहार के लिए बहुत खास है, और जिस तरह नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार के विकास को कई आयाम दिए हैं अब उन उपलब्धियों को एक नए स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी सम्राट चौधरी को सौंपी गई है।

भाजपा सरकार में महिलाएं ही सबसे ज्यादा दुखी : अखिलेश

सपा अध्यक्ष बोले- महिला आरक्षण में जल्दबाजी करना पीडीए के हक को मारने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला आरक्षण को लेकर सियासी गर्मी चढ़ गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ये पीडीए के हक को मारने की बड़ी साजिश है।

बता दें केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण को लागू कराने की क़वायद तेज कर दी है। इसके लिए तीन दिन का विशेष संसदीय सत्र बुलाया गया है. जिसे लेकर अब सियासत भी देखने को मिल रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखी और महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बीजेपी को अब वोटरों का आकाल पड़ गया है इसलिए जल्दबाजी में इसे लाया जा रहा है लेकिन सच्चाई ये हैं कि भाजपा सरकार में महिलाएं ही सबसे ज्यादा दुखी है।

अखिलेश यादव ने लिखा- महिला आरक्षण के नाम पर ये जल्दीबाजी बता रही है कि अब भाजपा जा रही है। सच तो ये है कि भाजपा जनगणना को टालना चाहती है क्योंकि जनगणना होगी तो जातिगत जनगणना की भी बात उठेगी और फिर आरक्षण की भी, जो भाजपा और उनके संगी-साथी कभी भी देना नहीं चाहते हैं।भाजपा को ये भी अच्छी तरह याद है कि 'पीडीए' में 'ए' का मतलब 'आधी आबादी' अर्थात् महिला भी है. ये बिल पीडीए का हक़-अधिकार मारने की एक बड़ी साज़िश का हिस्सा है

अखिलेश यादव ने सदर गुरुद्वारा में टेका माथा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को वैसाखी पर गुरुद्वारा सदर में जाकर दरबार साहिब के समक्ष माथा टेका। उन्होंने प्रसाद भी ग्रहण किया। अखिलेश यादव ने कहा कि जिसके कर्म अच्छे हैं, वही बड़े हैं। समाज में जो विषमता और विपन्नता है, उसे गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर समाप्त करने का काम किया था। सरदार तेजिंदर सिंह विर्क और सरदार देवेंद्र सिंह खालसा ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी, पूजा शुक्ला, पूजा शुक्ला भसीन आदि मौजूद रहे।

भाजपा की चुनावी घपलेबाजी का भंडाफोड़

एक बड़ा चुनावी सच ये भी है कि भाजपा की चुनावी घपलेबाजी का अब पूरी तरह से भंडाफोड़ हो गया है, 'पीडीए प्रहरी' एक विचार की तरह हर प्रदेश और हर दल ने स्वीकार कर लिया है. भाजपा पर चौकन्नी नज़र रखी जा रही है, इसीलिए अब भाजपा को चुनावी हेराफेरी का कोई और मौका आसानी से नहीं मिलेगा और सच्चे वोट ही, चुनाव का सच्चा नतीजा तय करेंगे। अब हर तरह से भाजपा की कलई खुल गयी है, इसीलिए उसके समर्थक और वोटरों का अकाल पड़ गया है. भाजपा निराशा के इस दौर से उबरने के लिए ये बिल ला रही है. भाजपा की यही राजनीतिक चाल रहती है जब पुराने लोग ये समझ जाते हैं कि भाजपा किसी की सगी नहीं है तो हर बार भाजपा कुछ नये लोगों को अपने लुभावने जुमलों में फँसाती है। इस बार भाजपा महिलाओं को लेकर ये पुरानी चाल चल रही है लेकिन, सफल नहीं होगी क्योंकि भाजपा राज में सबसे ज्यादा दुखी तो महिलाएं ही हैं।

भाजपा की चंदा वसूली की वजह से महंगाई बढ़ी

भाजपा की कमीशनखोरी व चंदा वसूली की वजह से जो महंगाई बढ़ी है उससे उनकी रसोई सूनी हो गयी है, रही-सही कसर सिलेंडर की बेतहाशा बढ़ती क़ीमतों ने पूरी कर दी है। हर महिला अपने बच्चों को पढ़ाना चाहती है लेकिन भाजपा की शिक्षा विरोधी सोच तो सरकारी स्कूल तक बंद करवा दे रही है. महिलाओं का दर्द क्या होता है ये मेरठ के दुकानदारों के परिवार की महिलाओं की आँखों में आए आँसू भी बयां कर रहे हैं और नोएडा की मजदूर और मेड के रूँधे गले के बयान भी।

टीएमसी को समर्थन देने का सवाल काल्पनिक : अधीर रंजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, कांग्रेस ने अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। बंगाल

» कांग्रेस पूरी ताकत से बंगाल में लड़ रही चुनाव

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और बहरामपुर से उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी भी पूरी तरह चुनावी मैदान में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे लगातार लोगों के बीच जा रहे हैं और उनसे सीधा संपर्क बना रहे हैं। अधीर रंजन ने बताया कि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और रोज सुबह चलकर चुनाव प्रचार करते हैं।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी से जब पूछा गया कि अगर चुनाव के बाद कांग्रेस की कुछ सीटें आती हैं और ममता बनर्जी को उनकी जरूरत पड़ती है तो क्या वे समर्थन देंगे। इस पर उन्होंने कहा कि यह एक काल्पनिक सवाल है और इसका जवाब अभी नहीं दिया जा सकता। इस तरह से उन्होंने अपनी पार्टी की भी मंशा जाहिर कर दी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 26 इस बार दो चरणों में होने वाले हैं। पहला चरण 23 अप्रैल 2026 को होगा और दूसरा चरण 29 अप्रैल 26 को आयोजित किया जाएगा. इसके बाद 4 मई 2026 को मतगणना होगी और उसी दिन नतीजे सामने आएंगे. राज्य की सभी 294 सीटों पर मतदान होगा और सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी या गठबंधन को कम से कम 148 सीटें जीतनी जरूरी हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से काफी दिलचस्प रही है। इस समय राज्य की राजनीति मुख्य रूप से तीन बड़े पक्षों के बीच बंटी हुई है।

केरल की घटना दुखद : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज स्थित प्रतिमा स्थल पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने

डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए सामाजिक न्याय और समानता के उनके विचारों पर प्रकाश डाला।

मीडिया से बातचीत में अजय राय ने केरल की घटना पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं और सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। राय ने योगी सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों में असंतोष हे जिसकी वजह से जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं।

दलित व ओबीसी महिलाओं को अलग से मिले आरक्षण : मायावती

» महिला आरक्षण का बसपा प्रमुख ने किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हम महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय का स्वागत करते हैं लेकिन दलित और ओबीसी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण दिया जाए। बसपा सुप्रीमो ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी पहले से ही महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 50 फीसदी आरक्षण देने की मांग करती रही है पर अब जब 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात की जा रही है तो हम इसका समर्थन करते हैं जिससे कुछ तो सुधार हो।

उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सत्ता थी तो उन्होंने अलग से महिलाओं को आरक्षण देने की बात नहीं की थी और अब ऐसा करके इस सुधार पर रोक लगाना चाहते हैं। बसपा इस फैसले का समर्थन करती है।

दलितों को लुभाने की कोशिश नहीं होगी कामयाब

मायावती ने कहा कि कल पूरे देश में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। मैंने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय से दलितों को लुभाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दल अपने कार्यक्रमों में नीले रंग का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन दलितों पर सिर्फ बसपा के ही नीले रंग का प्रभाव होता है। इन दलों की ये कोशिश कामयाब नहीं होगी।

बसपा के उदय होने से बहुजन समाज को मिला 27 फीसद आरक्षण

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारत रत्न आंबेडकर की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कार्यकर्ताओं के नाम अपने संदेश में कहा कि बहुजन समाज का हित बसपा सरकार बनने पर ही सुरक्षित है। डॉ. आंबेडकर ने बहुजन समाज को वोट का अधिकार दिलाया तो बसपा के उदय के बाद बहुजनों को 27 फीसद आरक्षण का लाभ मिला। इसके बावजूद बहुजनों का अन्याय और शोषण जारी है। इसका निदान बसपा सरकार बनने पर ही होगा। बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद कहा कि देश की सत्ता में सामंती व जातिवादी सोच वालों तथा शोषणकारी तत्वों के हावी रहने के कारण बाबा साहेब का मानवतावादी, सर्वजन-हितैषी व बहुजन-कल्याणकारी संविधान अपने पवित्र उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पा रहा है। ऐसा अनुपम संविधान होने के बावजूद भारत अभी तक स्वावलंबी, आत्मनिर्भर व विकसित नहीं बन सका है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जज के बच्चों को केस देते हैं सीबीआई के वकील : केजरीवाल

» आप संयोजक बोले- मुझे न्याय कैसे मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर कर उत्पाद शुल्क नीति मामले में सीबीआई द्वारा बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को हटाने की अपनी मांग को दोहराया है।

उन्होंने तर्क दिया है कि न्यायाधीश के बच्चे केंद्र सरकार के पैनल में शामिल हैं और उन्हें सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता द्वारा मामले आवंटित किए जाते हैं, जो एजेंसी की ओर से अपील लड़ रहे हैं। न्यायमूर्ति शर्मा द्वारा आवेदनों पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के एक दिन बाद दायर

हलफनामे में, केजरीवाल ने कहा कि उनका बेटा सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले ग्रुप ए वकील के रूप में सूचीबद्ध है, जबकि उनकी बेटी सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्रुप सी वकील के रूप में सूचीबद्ध है और दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र के लिए वकील के रूप में भी कार्य करती है।उन्होंने आगे कहा कि दोनों को मामले सॉलिसिटर जनरल द्वारा सौंपे गए हैं, जो न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष मामले से खुद को अलग करने की याचिका का विरोध कर रहे हैं और इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मंगलवार को दायर हलफनामे में कहा गया है कि इस स्थिति से उत्पन्न होने वाले पक्षपात की आशंका प्रत्यक्ष, गंभीर और अनदेखी नहीं की जा सकती, क्योंकि वही विधि अधिकारी और कानूनी संस्था जो न्यायाधीश के समक्ष सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रही है, वह उस संस्थागत ढांचे का भी हिस्सा है जो उनके बच्चों को सरकारी कार्य और मामले सौंपने के लिए जिम्मेदार है।

तमिलनाडु में चुनाव प्रचार

एक-दूसरे पर तेज हुए प्रहार

- एसपीए और एनडीए के बीच कड़ी टक्कर
- भाजपा व डीएमके ने राज्य के दौरे तेज किए
- स्टालिन व अन्नामलाई ने संभाले मोर्चे
- अभिनेता से नेता बने विजय ने बढ़ाई चुनौती
- मुस्लिम व ईसाई वोटों पर सबकी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार में धीरे-धीरे तेजी आने लगी है। डीएमके, भाजपा व एआईडीएमके पर हमला बोल रहा है तो भाजपा भी पीछे नहीं है। जहां डीएमके की ओर से सीएम स्टालिन ने मोर्चा संभाला है तो भाजपा की ओर अन्नामलाई डीएमके पर आक्रमण करने में जुटे हैं। इन सबके बीच अभिनेता से नेता बने विजय भी दम भरने में पीछे नहीं हट रहे हैं। हालांकि ऐसी खबरे आ रही हैं ईसाई मतदाता उनको उतना समर्थन नहीं दे रहे जितना डीएमके को ।

इसबीच राज्य में अपने पावं जमाने की कोशिश में जुटी भाजपा ने दावा किया है उनका चुनाव प्रचार बहुत अच्छे से चल रहा है। हमारे कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। वे दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। हमारे सभी नेता यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हैं कि दक्षिण तमिलनाडु की सीट भाजपा जीते। मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच होने की उम्मीद है। एसपीए में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, डीएमडीके और वीसीके शामिल हैं, जबकि एनडीए के नेतृत्व में भाजपा और पीएमके सहयोगी हैं। अभिनेता से राजनेता बने विजय भी टीवीके के साथ चुनाव में उतरने जा रहे हैं, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

अभिनेता विजय को ईसाई वोट नहीं देंगे : राजा फ्रीमैन

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले, ईसाई अल्पसंख्यक प्रतिनिधियों ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम-डीएमके और उसके गठबंधन को अपना समर्थन दिया है। सीएसआई जायोन चर्च के चेयरमैन राजा फ्रीमैन ने डीएमके के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि ईसाई और अल्पसंख्यक समुदाय सत्ताधारी पार्टी के साथ खड़े हैं और तमिलनाडु में उसके निरंतर शासन की उम्मीद करते हैं। फ्रीमैन ने कहा कि आज हम यहां डीएमके पार्टी के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए एकत्रित हुए हैं... हम उम्मीद करते हैं कि डीएमके सरकार हमारे मुख्यमंत्री को फिर से स्थापित करेगी, ताकि वे सातवीं बार अपनी सीट हासिल कर सकें... ईसाई समुदाय और अल्पसंख्यक समुदाय डीएमके पार्टी के कार्यों का समर्थन करेंगे। डीएमके के पीछे धार्मिक नेतृत्व का यह एकीकरण, अभिनेता से राजनेता बने विजय और उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कड़गम के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करता है ये लोग इस पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की सक्रिय रूप से कोशिश कर रहे हैं।

विपक्षी दल उन्हें हरा नहीं पाएगा : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन की शानदार जीत का पूरा भरोसा जताया और चुनाव प्रचार के दौरान मिली जबरदस्त जनसमर्थन का हवाला दिया। डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने पहले 200 से अधिक सीटों पर जीत का अनुमान लगाया था। हालांकि, कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से डीएमके उम्मीदवार स्टालिन ने कहा कि मौजूदा जनसमर्थन और भारी भीड़ को देखते हुए अब सभी 234 सीटों पर जीत संभव लग रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी विपक्षी दल उन्हें हरा नहीं पाएगा और गठबंधन अपने प्रतिद्वंद्वियों को लेकर चिंतित नहीं है। स्टालिन ने कहा कि जनसमर्थन और भारी जनभागीदारी का मौजूदा स्तर सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों में संभावित जीत का संकेत दे रहा है। हमारा धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन तमिलनाडु में विजयी होगा। चाहे कितनी भी पार्टियां हमारे खिलाफ एकजुट हो जाएं, कोई भी सफल नहीं हो सकता। अपने बार-बार दोहराए जाने वाले तमिलनाडु बनाम दिल्ली वाले बयान पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम ने दिल्ली को गिरवी रख दिया है और उसके अधीन हो गई है।

मतदान 23 अप्रैल को एक ही चरण में

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 23 अप्रैल को एक ही चरण में होगा और मतगणना 4 मई को होगी। मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच होने की संभावना है। एसपीए में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, डीएमडीके और वीसीके शामिल हैं, जबकि एनडीए के नेतृत्व में भाजपा और पीएमके सहयोगी हैं। अभिनेता से राजनेता बने विजय भी टीवीके के साथ चुनाव में उतर रहे हैं, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

'एआईडीएमके ने अपने को दिल्ली के पास गिरवी रख दिया'

डीएमके प्रमुख ने कहा कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईडीएमके) ने दिल्ली को गिरवी रख दिया है और उसके अधीन हो गई है। इसलिए लड़ाई तमिलनाडु और दिल्ली के बीच है। यह चिंता और निराशा का विषय है कि एक द्रविड़ पार्टी इस स्थिति में पहुंच गई है। विजय समेत फिल्म अभिनेताओं का पीछा करते हुए कथित तौर पर लापरवाही भरे व्यवहार में लिप्त युवाओं से जुड़ी घटनाओं पर स्टालिन ने कहा कि राज्य भर में लोग ऐसी दुर्घटनाएं देख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोग इसे देख रहे हैं और वे इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

मदुरै दक्षिण की सीट पर भाजपा जीतेगी : श्रीनिवासन

मदुरै दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रमा श्रीनिवासन ने इस बात पर जोर दिया कि आगामी विधानसभा चुनावों में न तो तमिलनाडु की जनता और न ही मदुरै दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के लोग द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) का समर्थन कर रहे हैं। श्रीनिवासन ने भारतीय जनता पार्टी की जीत पर विश्वास जताया और कहा कि पिछले चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन इस बार उनके लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक अखिल तमिलनाडु पार्टी के रूप में उभरी है क्योंकि पार्टी इस बार लगभग सभी क्षेत्रों से चुनाव लड़ रही है। चुनाव प्रचार बहुत अच्छे से चल रहा है। हमारे कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। वे दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। हमारे सभी नेता यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हैं कि दक्षिण तमिलनाडु की सीट भाजपा जीते। तमिलनाडु भाजपा एक अखिल तमिलनाडु पार्टी है; हम तमिलनाडु के लगभग सभी क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले संसदीय चुनावों में हमने यहां चुनाव लड़ा था और दूसरा स्थान हासिल किया था। इसलिए, इस बार हमें फायदा है। वही उम्मीदवार इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, और इस निर्वाचन क्षेत्र के लोग मेरा चेहरा जानते हैं। इसलिए, हमें पूरा विश्वास है कि हम यह सीट जीतेंगे। डीएमके के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, सत्ता विरोधी लहर हमें फायदा पहुंचाएगी। जनता का मूड डीएमके गठबंधन के खिलाफ है। मदुरै दक्षिण में भी, मतदाताओं का रुख डीएमके गठबंधन के खिलाफ है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे और मतगणना 4 मई को होगी।

ईसाई और लगभग 15 प्रतिशत

ईसाई और मुस्लिम, जो कुल वोटरों का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा हैं, पारंपरिक रूप से डीएमके का समर्थन करते रहे हैं। हालांकि, विजय, जो खुद भी एक ईसाई हैं, अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) के जरिए इस बड़े वोट बैंक को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय तक पहुंचने की विजय की कोशिशें साफ नजर आ रही हैं; उनकी पार्टी के महासचिव चेन्नई के अलग-अलग चर्चों के बिशपों से मुलाकात कर रहे हैं। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में चुनाव होंगे, और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। मुख्य चुनावी मुकाबला द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस-जिसमें कांग्रेस, डीएमडीके और वीसीके भी शामिल हैं और एआईडीएमके के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस-जिसमें बीजेपी और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) सहयोगी हैं के बीच होने की उम्मीद है। अभिनेता से राजनेता बने विजय टीवीके के साथ अपना पहला चुनाव लड़ने जा रहे हैं, और वे इन आने वाले चुनावों को एक त्रिकोणीय मुकाबले में बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

डीएमके सरकार ने अपने 511 चुनावी वादों में से केवल 15 प्रतिशत ही पूरे किए : अन्नामलाई

भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकारी समिति के सदस्य के. अन्नामलाई ने दावा किया कि द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) सरकार ने अपने 511 चुनावी वादों में से केवल 15 प्रतिशत ही पूरे किए हैं। नीलगिरि जिले के ऊटी में एक चुनावी सभा के दौरान ये बयान देते हुए अन्नामलाई ने सत्ताधारी पार्टी पर अपने 99 प्रतिशत वादों को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। वे ऊटी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार भोजराजन के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। पिछले चुनाव को याद करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि भोजराजन मामूली अंतर से जीत से चूक गए थे, लेकिन उन्होंने हारने के बावजूद विजेताओं को बधाई दी और यहां तक कि विज्ञापन भी प्रकाशित किए। उन्होंने डीएमके सरकार की आलोचना करते हुए इसे दिखावटी प्रशासन बताया और आरोप लगाया कि यह महिलाओं के लिए असुरक्षित है। अन्नामलाई ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और सांसद कनिमोझी पर भी निशाना साधते हुए उन पर पेट्रोल की कीमतों और एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता के बारे में झूठी जानकारी देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा डीएमके सरकार दिखावटी है, एक ऐसी सरकार जो महिलाओं के लिए असुरक्षित है। कनिमोझी और स्टालिन पेट्रोल की कीमतों और सिलेंडर की कमी के बारे में झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान हुई एक घटना का हवाला देते हुए डीएमके सदस्य पर आभूषण चोरी मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया और इसे पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार का उदाहरण बताया। कल्याणकारी और विकास योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए अन्नामलाई ने केंद्र सरकार की कई पहलों और निवेशों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 447 करोड़ रुपये की लागत से एक सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित किया गया है, साथ ही 3,70 करोड़ रुपये की प्राकृतिक गैस योजना से नौ लाख परिवारों को लाभ हुआ है। इसके अलावा, 18,532 परिवारों को मुफ्त उज्ज्वला सिलेंडर वितरित किए गए हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चिंता : सबसे युवा देश में युवा ही पिछड़ रहे

उच्च शिक्षा व रोजगार में युवाओं की भागीदारी को लेकर जारी ताजा रिपोर्ट सचमुच चिंताजनक है। यह चिंता इसलिए भी है क्योंकि जिस उच्च शिक्षा को युवाओं के सपने को दिशा देने वाला माना जाता है। उसी को तिलांजलि देते हुए युवा आजीविका की कोई न कोई राह पकड़ रहे हैं।

एक तरफ भारत सबसे युवा देश होने का अभिमान करता है। वहीं एक युवाओं से संबंधित आंकड़ा आया है जो काफी गंभीर है। उच्च शिक्षा में लड़कों का घटता नामांकन चिंताजनक बन गया है। सरकारों को इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। युवाओं के सपने पूरे हों और वे अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हो इसके लिए नीति नियंताओं को व्यापक स्तर पर मशक्कत करनी होगी। विकसित भारत के लक्ष्य पथ के लिए निर्धारित शिक्षा व रोजगार के ढांचे की गहन समीक्षा करनी होगी। कमियों और विसंगतियों को दूर कर ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जो युवाओं में व्यवस्था और उनके खुद के भविष्य के प्रति भरोसा जगा सके। बड़ी चिंता यह भी कि वर्ष 17 में परिवार की मदद के लिए पढ़ाई छोड़ने वाले लड़के 58 प्रतिशत थे, जो बढ़कर 24 में 72 फीसदी पर पहुंच गए हैं। उच्च शिक्षा व रोजगार में युवाओं की भागीदारी को लेकर जारी ताजा रिपोर्ट सचमुच चिंताजनक है। यह चिंता इसलिए भी है क्योंकि जिस उच्च शिक्षा को युवाओं के सपने को दिशा देने वाला माना जाता है। उसी को तिलांजलि देते हुए युवा आजीविका की कोई न कोई राह पकड़ रहे हैं।

उच्च शिक्षा में लड़कियों के नामांकन में फर्क नहीं आया है लेकिन आमतौर पर परिवार की जिम्मेदारियां उठाने में आगे समझे जाने वाले लड़के उच्च शिक्षा में दाखिले के बजाय नौकरी या स्वरोजगार को प्राथमिकता दे रहे हैं। लड़कों की यह बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि उन्होंने किसी न किसी मजबूरी में अपने सपनों का पीछा करना छोड़ दिया है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 17 से 24 के बीच के महज सात वर्षों में उच्च शिक्षा में लड़कों का दाखिला 38 से गिरकर 34 फीसदी रह गया है। बड़ी चिंता यह भी कि वर्ष 17 में परिवार की मदद के लिए पढ़ाई छोड़ने वाले लड़के 58 प्रतिशत थे, जो बढ़कर 24 में 72 फीसदी पर पहुंच गए हैं। ये आंकड़े इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि जिस दौर में हर कोई सिर्फ पढ़ाई पर फोकस रखकर भविष्य के निर्माण पथ पर प्रगतिरत रहने की बात करता नजर आता है, उसी दौर में आज लड़के कॉलेज छोड़कर छोटी-मोटी नौकरी करने को प्राथमिकता देने में लगे हैं। लेकिन जाहिर है कि इसका असर उच्च शिक्षा में प्रवेश के आंकड़ों में कमी के रूप में परिलक्षित हो रहा है। उच्च शिक्षा में दाखिले और परिवार की मदद करने के लिए पढ़ाई छोड़ने से जुड़े ये आंकड़े विकसित भारत का सपना पूरा करने में अवरोध ही कहे जाएंगे। यह प्रवृत्ति इसलिए नहीं बढ़ी कि लोगों को अच्छा खासा रोजगार उच्च शिक्षा पूरी किए बिना ही मिल रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पानी आपूर्ति की निरंतरता व शुद्धता जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं? इस साल के फरवरी 2026 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ रुपये का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है। लेकिन जल जीवन मिशन और 'अमृत' जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया।

भारत के शहरी-ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी को लेकर बात करें तो दिसंबर, 2025 से जनवरी 2026 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 लोगों की मौत दर्ज की गई। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दिसंबर, 2025 के अंतिम सप्ताह में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी, 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए। अगस्त, 2019 में जब 'जल जीवन मिशन' शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 15.8 करोड़ घरों में नल लग चुके हैं। लेकिन इस 'संख्यात्मक सफलता' के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39 प्रतिशत ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच है। देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं

पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल 'शोपीस' बनकर रह गए हैं। फिर नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60 प्रतिशत जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। जवाबदेही की कमी के कारण पाइपलाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल का स्तर काफी नीचे गिर गया है। कृषि में 'वाटर गजलर' फसलों (जैसे धान और गन्ना के लिए अंधाधुंध पंपिंग ने जलभृतों (एक्वाफर्स को सुखा दिया है। इन सभी कारणों से पानी की गुणवत्ता में भी गिरावट आ रही है। बड़ी मात्रा में सतही जल प्रदूषित है। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम की बढ़ती मात्रा 'कैंसर बेल्ट' जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है। गांवों से पलायन और शहरों का अनियोजित विकास, सरकार द्वारा तैयार मूलभूत संरचना पर आवश्यकता से अधिक बोझ ने महानगरों को पानी के लिए कंगाल बना दिया है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइन लीकेज और सीवेज मिक्सिंग एक आम समस्या बन गई है। सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के लिए शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना 'अमृत 2.0' का लक्ष्य शहरों को 'वॉटर सिक्योर' बनाना था। लेकिन संसदीय स्थायी समिति की दिसंबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में अभी भी बड़ी मात्रा में पानी 'नॉन-रेवेन्यू वॉटर' के रूप में बर्बाद हो जाता है, जो मुख्य रूप से पाइपलाइनों के रिसाव के कारण होता है। सबसे बड़ी विफलता जल वितरण और सीवेज प्रबंधन के बीच समन्वय का अभाव है। बजट 2026 में सरकार ने जल जीवन मिशन की समय सीमा को बढ़ाकर दिसंबर 2028 कर दिया है।

यह एक मूक स्वीकारोक्ति है कि 2024 और 2025 के लक्ष्य पूरे नहीं हो सके। बजट में इस बार 'वेस्ट वॉटर रिसाइकिलिंग' और 'यूज्ड वॉटर ट्रीटमेंट' पर जोर दिया गया है, लेकिन इसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल शहरी निकायों के पास नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में जल शक्ति मंत्रालय ने आवंटित बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया, जो प्रशासनिक कमजोरी को दर्शाता है। बजट 2026 में राज्यों के लिए 67,600 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग तभी सार्थक होगा जब उसे 'क्वालिटी ऑडिट' से जोड़ा जाए।

समता की पाठशाला में हो स्वतंत्र सोच का विकास

डॉ. संजय शर्मा

बाबासाहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर ने सार्वजनिक एवं सस्ती शिक्षा की अपरिहार्यता और महत्व के मद्देनजर लगभग सौ वर्ष पूर्व, सन 1927 में बम्बई विधान परिषद में कहा था कि हम उस दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जब समाज के निचले तबके के लोग भी हाई स्कूल, मिडिल स्कूल और कॉलेजों में दाखिला लेना शुरू कर रहे हैं। अत: शिक्षा विभाग की नीति होनी चाहिए कि उच्च शिक्षा को निचले तबकों के लिए सस्ता और सुलभ बनाया जाए। डॉ. अंबेडकर की दृष्टि में विद्यालय मात्र साक्षर बनाने का कोई प्रशासकीय उपक्रम नहीं, अपितु समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक रूप से परिष्कृत करने तथा समतामूलक भागीदारी के मौके प्रदान करने की सांगठनिक परियोजना है।

भारत जैसे विषमतापूर्ण समाज में विद्यालय की भूमिका उन समुदायों के लिए खासकर अहम हो जाती है, जिन्हें व्यापक समाज-निर्माण की प्रक्रिया से दूर रखने को सुनियोजित सामाजिक-सांस्कृतिक उपक्रम के तहत उनके शोषण को ज्ञान-शास्त्रीय वैधता दी गई। आज, विकसित होते भारत में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर हमें खुद से प्रश्न पूछना चाहिए कि क्या हम बाबासाहेब के सपनों की वह पाठशाला बना पाए हैं, जहां कक्षा के किसी कोने से एक बच्ची बिना डरे हाथ उठाती है, जवाब देने के लिए नहीं, बल्कि सवाल पूछने के लिए। शिक्षक उसकी बात ध्यान से सुनते हैं और पूरी कक्षा को चर्चा में शामिल होने का लोकतान्त्रिक वातावरण प्रदान करते हैं। वहां असहमति पर सजा नहीं, रट्टा मारने पर इनाम नहीं मिलता। दीवार पर नियमों की लंबी लिस्ट नहीं, केवल एक सरल वाक्य अंकित होता है 'राष्ट्रपति हो या चपरासी की संतान - सबके लिए शिक्षा एक समान'। बाबा साहेब के आदर्शों के उस विद्यालय या कक्षा की कल्पना करे जो अभी हमारे समाज में अनुपस्थित है। यह महज कल्पना नहीं, मानवीय और संवेदनशील समाज होने की संज्ञानात्मक-कार्यात्मक कसौटी है।

जरा सोचिये, सामाजिक भेदभाव के कारण बालक भीमराव को स्वयं से पानी पीने की मनाही थी, उन्हें उस दिन विद्यालय में पानी नहीं मिलता था, जिस दिन उस विद्यालय में कार्यरत चपरासी छुट्टी पर होता। आज भी राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत के 23 प्रतिशत विद्यालयों में पीने के पानी की बुनियादी सुविधा या तो मौजूद नहीं या बेहद सीमित है। मात्र 21 प्रतिशत विद्यालयों में ही नल के द्वारा पानी की आपूर्ति उपलब्ध है, जबकि 70 प्रतिशत विद्यालय अभी भी हैंडपंप, कुएं आदि पर निर्भर हैं। आजाद भारत में भले ही सामाजिक दुराग्रहों को नियंत्रित कर लिया हो किन्तु व्यवस्थामूलक बहिष्कार अभी भी चुनौती है। आज भी अनेक बच्चे बुनियादी जरूरतों जैसे शिक्षक, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, पेयजल, शौचालय आदि से वंचित हैं। डॉ. अंबेडकर की अवधारणा थी कि भारत में जाति अर्थव्यवस्था, धर्म और राजनीति से पहले आती है और इन्हें नियंत्रित भी करती है। उनका यह दृष्टिकोण जाति को सत्ता और नियंत्रण की प्रणाली के रूप में देखता है। बाबा साहेब शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन, भागीदारी और समानता का सबसे कारगर औजार मानते थे, जो दलितों और वंचित वर्गों को अज्ञानता, अंधविश्वास और शोषण से मुक्त करे।

शिक्षा के बिना सामाजिक प्रगति संभव नहीं। ऐसे में शिक्षा केन्द्रों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपनी प्रकृति, संरचना और प्रक्रिया में आलोचनात्मक चिंतन और वैज्ञानिकता का समावेश करें जिससे विद्यार्थियों में स्वतंत्रता, समता और भ्रातृत्व के मूल्यों का सृजन हो सके। इसके लिए जरूरी है कि विद्यालय समाज में व्याप्त जातीय असमानता और उत्पीड़न के खिलाफ जरूरी हस्तक्षेप करे। डॉ. अंबेडकर ने विद्यालय को समाज में व्याप्त निष्क्रियता एवं चुप्पी की संस्कृति को परिवर्तनकारी सक्रिय संस्कृति में रूपांतरित करने का प्रतिनिधि माना। अपनी पुस्तक 'जाति का उन्मूलन' में उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति अथवा समुदाय की वैचारिक आजादी ही उसकी असल स्वतंत्रता है। जो व्यवस्था अपने नागरिकों को सवाल पूछने से वंचित करे, वह अन्यायपूर्ण व गुलामी की सोच की पोषक है। बीते दशकों में न केवल पाठ्यक्रमों को बल्कि विद्यालयों के ढांचे को भी बहु-परती बनाते हुए विभाजनकारी स्वरूप प्रदान किया। जहां एक ओर सीखने-सिखाने के संसाधनों से परिपूर्ण उत्कृष्ट विद्यालय हैं वहीं दूसरी ओर बुनियादी संसाधनों के लिए जूझते आम सरकारी स्कूल भी हैं।

पाठ्यक्रमों से कामगारों की अर्थव्यवस्था, श्रम व श्रमिकों की गरिमा, हाशिए पर जीने वाले समुदायों, वंचितों, महिलाओं के जीवन संघर्ष एवं अनुभव गायब हैं। वस्तुत: राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं टिक सकता, जब तक उसके नीचे सामाजिक लोकतंत्र न हो। अंबेडकर की सोच में एक चेतावनी भी है, जो वर्तमान में प्रासंगिक है। संविधान सभा के अंतिम भाषण में उन्होंने कहा था कि हम विरोधाभासों से भरी जिंदगी में प्रवेश करने वाले हैं- राजनीति में बराबरी लाएंगे, लेकिन सामाजिक-आर्थिक असमानता बनी रहेगी। बता दें कि शिक्षा प्रणाली में भी यही विरोधाभास कायम है। हमने भावी नागरिकों को विद्यालय तो मुहैया कराये किन्तु उनमें होने वाले बहिष्कारी अनुभवों को नहीं बदल सके। परिणाम, पाठशालाओं से केवल साक्षर नागरिक निर्मित हो रहे हैं, आलोचनात्मक नागरिक नहीं। सन 1943 में बाबा साहेब ने कहा था कि मानव अस्तित्व का अंतिम लक्ष्यवैचारिक उत्थान और न्यायिक आदर्श की स्थापना होना चाहिए। यह लक्ष्य शिक्षा से हासिल होगा।

विदेशियों को खूब लुभाते हैं भारतीय पर्यटन स्थल

भारत विविधताओं का देश है, जहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा बदलती है, संस्कृति बदलती है और खानपान के साथ-साथ पहनावे तक में फर्क दिखता है। 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से मिलकर बना भारत अपने आप में एक संपूर्ण पर्यटन पैकेज है। इसलिए भारत की ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक स्थल और सांस्कृतिक धरोहर को देश-विदेश में काफी प्रसिद्ध है। पर्यटन केवल घूमने-फिरने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूती देता है और भारत की वैश्विक पहचान को भी बढ़ाता है। कश्मीर की वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्र तट तक, भारत हर तरह के पर्यटकों को आकर्षित करता है। यही कारण है कि हर साल लाखों विदेशी पर्यटक भारत घूमने आते हैं।

दिल्ली

भारत की राजधानी दिल्ली विदेशी पर्यटकों के आगमन में सबसे आगे है। लाल किला, कुतुब मीनार, इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, जामा मस्जिद और हुमायूं का मकबरा यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। दिल्ली में हर साल लाखों विदेशी पर्यटक आते हैं।

गोवा

गोवा विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद में शामिल है। समुद्र तट, नाइट लाइफ, सी-फूड और वाटर स्पोर्ट्स गोवा को खास बनाते हैं। गोवा में 1.75 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे थे। यहां के बीच और पार्टी कल्चर विदेशियों को खासा आकर्षित करते हैं।

ताजमहल

दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल भारत का सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित यह स्मारक हर साल 70-80 लाख पर्यटकों को आकर्षित करता है, जिनमें बड़ी संख्या विदेशी यात्रियों की होती है। ताजमहल के साथ-साथ आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अकबर का मकबरा और सिकंदरा भी प्रमुख आकर्षण हैं।

राजस्थान

राजस्थान शाही विरासत, किलों और महलों के लिए जाना जाता है। जयपुर, जैसलमेर, उदयपुर और माउंट आबू जैसे शहर विदेशी पर्यटकों में बेहद लोकप्रिय हैं। 2023 में राजस्थान में 13 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या विदेशी यात्रियों की रही। रेगिस्तान, झीलें और ऐतिहासिक किले इसकी पहचान हैं।

कश्मीर

कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। गुलमर्ग, पहलगाम, डल झील और नागिन झील जैसी जगहें विदेशी पर्यटकों को खासा आकर्षित करती हैं। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर खास बनाते हैं।

हंसना मना है

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते हैं, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं है और मच्छर है कि जाते नहीं है।

डॉक्टर : अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना क्यों डर रहे हो? मरीज : जिस ट्रक से मेरी दुर्घटना हुई थी, उसपे लिखा था, फिर मिलेंगे।

डॉक्टर : जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? मरीज : पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ : सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड : तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू का इंटरव्यू : बताओ वो कौन सी औरत हैं जिसको 100 प्रतिशत पता होता हैं की उसका हसबैंड कहां हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

इश्क में ये अंजाम पाया है, हाथ पैर टूटे, मुंह से खून आया है! हॉस्पिटल पहुंचे तो नर्स ने फरमाया बहारों फूल बरसाओ, किसी का आशिक आया है!

कहानी — गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंस गया। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ — चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन — विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह — योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला — बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु — स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर — रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ — विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन — मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

हालीवुड | मन की बात

कोई यहां रेप नहीं करता, सब रजामंदी से होता है: रोहित वर्मा

फिल्म इंडस्ट्री हो या फैशन इंडस्ट्री-अक्सर यहां सेलेब्स पर कास्टिंग काउच जैसे आरोप लगते रहे हैं। कई मॉडल्स और एक्ट्रेसेज ने फायदा उठाए जाने पर खुलकर बात की है। लेकिन फेमस डिजाइनर रोहित वर्मा की सोच इससे अलग है। उनका कहना है कि फैशन इंडस्ट्री पर उंगली उठाना आसान है, क्योंकि यहां कैमरे हैं। एक शॉकिंग बयान देते हुए उन्होंने ये तक कह दिया कि- यहां कोई किसी से जबरदस्ती नहीं करता। सब अपनी मर्जी से जाते हैं। इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर्स या प्रोड्यूसर्स पर अक्सर हीरोइनों का फायदा उठाने के आरोप लगे हैं। वहीं पार्टीज में ड्रग्स के इस्तेमाल पर भी कई सवाल उठाए गए हैं। इन सब पर रिएक्ट करते रोहित ने कहा कि-सब बातें बनाई जाती हैं। फैशन इंडस्ट्री भी वैसे ही काम करती है जैसे कॉर्पोरेट, बस यहां ग्लैम ज्यादा है तो उंगली उठाना आसान हो जाता है। फिल्मीज्ञान से रोहित ने कहा-मैं बहुत प्राउडली कहता हूं कि मैं फैशन इंडस्ट्री का क्वीन हूं और ये जितने भी आरोप लगते हैं-सब बहुत बुलशिट बातें हैं। कोई किसी का यहां पर रेप नहीं करता। सब कुछ यहां रजामंदी से होता है। फैशन इंडस्ट्री पर सबसे ज्यादा उंगली इसलिए उठती हैं, क्योंकि हम लोग ज्यादा ग्लैमरस होते हैं। कैमरा यहां ज्यादा होते हैं। वरना कास्टिंग काउच तो कोर्पोरेट इंडस्ट्री में भी होता है। बाकी इंडस्ट्रीज में भी होता है। आप कहते हैं सिर्फ फैशन ही ड्रग्स वगैरह को इतना बढ़ावा देता है-ये सब बकवास है। मुझे लगता है अगर आपके अंदर टैलेंट है तो कोई आपको आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता। आपमें हुनर है, आपके ऊपर आपकी मां का आशीर्वाद है, आपकी नीयत साफ है तो आपको कोई स्टार बनने से नहीं रोक सकता। तो ये गलत बात है कि किसी को यहां पर किसी चीज के लिए फोर्स करता है।

प्रीत और बानी के इश्क में उलझे वरुण!

बीते दिनों फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की नई रिलीज डेट का एलान किया गया था। पहले जून में रिलीज होने वाली यह फिल्म अब मई के महीने में दस्तक देगी। मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आया है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें एआई का इस्तेमाल किया गया है। इस पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है।

एआई किड्स पिता की जन्मतिथि 24 अप्रैल बताते हैं। बता दें कि वरुण धवन का जन्मदिन इसी दिन होता है। वीडियो में आगे वरुण धवन की एंट्री होती है। उनके किरदार का नाम जैस है। वे हाथों में जयमाला थामे झांकते दिख रहे हैं।

है जवानी तो इश्क होना है का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

आगे मृणाल ठाकुर की झलक देखने को मिली है, जिनके किरदार का नाम बानी है। इसके बाद पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और उनके किरदार का नाम प्रीत है। वरुण धवन को बानी और प्रीत दोनों के साथ इश्क फरमाते दिखाया गया है।

फर्स्ट लुक पर नेटिजंस रिएक्ट कर रहे हैं। खासतौर पर एआई के इस्तेमाल पर रिएक्शन मजेदार हैं। कुछ लोगों को यह बहुत पसंद आया है। नेटिजन लिख रहे हैं, एआई वाले लाइक करें। वहीं, कुछ ने लिखा है, एआई का इस्तेमाल सिर्फ प्रोमो तक रहे तो बेहतर है। कुछ को फर्स्ट लुक में गोविंदा की फिल्म सैंडविच की झलक आ रही है, तो कुछ को फिल्म जुड़वा वाली।

यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन वरुण धवन के पिता व दिग्गज निर्देशक डेविड धवन ने किया है। मैं तेरा हीरो और जुड़वा 2 के बाद वरुण और डेविड की पिता-पुत्र की जोड़ी की ये तीसरी फिल्म है।

संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' का दूसरा टीजर रिलीज

संजय दत्त अभिनीत फिल्म आखिरी सवाल का पहला टीजर 02 अप्रैल को रिलीज हुआ था। इसने फिल्म के प्रति उत्सुकता जगाई। आज फिल्म का दूसरा टीजर सामने आया है। इसमें इतिहास की कुछ ऐसी घटनाओं का जिक्र देखने को मिलेगा, जिन पर ज्यादा बात नहीं होती है। मेकर्स का दावा है कि फिल्म के जरिए वे सवाल भी सामने आएंगे, जिन्हें अभी तक कोई नहीं पूछता है।

फिल्म के टीजर की शुरुआत में लिखा आता है, सवाल, जिसे पूछने की हिम्मत अब तक किसी ने नहीं की। आगे लिखा है, क्या हुआ था साल 1934 में महात्मा गांधी के साथ आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की मीटिंग में? इसके बाद के दृश्य में महात्मा गांधी कहते हैं, यह जातिवाद एक दिन भारत को बांटकर रख देगा।

टीजर में आगे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार कहते हैं, अगर संघ में दलित और ब्राह्मण एक साथ रह सकते हैं, खा-पी सकते हैं, काम कर सकते हैं... तो संपूर्ण भारतवर्ष में क्यों नहीं कर सकते? आगे लिखा है, सच्चाई 08 मई को सिनेमाघरों में जानिए। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने संभाली है। निखिल आनंद और संजय दत्त ने इसे प्रोड्यूस किया है।

आखिरी सवाल नमाशी चक्रवर्ती ने विक्की नाम के युवा विद्वान की भूमिका अदा की है। उनके गुर प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी का रोल संजय दत्त ने अदा किया है। विक्का का अपने गुरु के साथ अकादमिक विवाद टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले एक टकराव में बदल जाता है। यह कहानी ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र करते हुए पीढ़ीगत मतभेद और सच की खोज जैसे मुद्दों पर बात करती है। कहानी के केंद्र में गुरु-शिष्य का संघर्ष है, जो एक बड़ी बहस में बदल जाता है। इस फिल्म में आरएसएस पर बैन, बाबरी विध्वंस जैसी कई ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र देखने को मिलेगा। इसमें समीरा रेड्डी, अमित साध, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अजब-गजब | 99 प्रतिशत लोग नहीं जानते हैं इस बात का सच

कपास के रेशों से बने होते हैं कड़कड़ाते नोट

हर दिन हम हजारों बार नोटों को हाथ में लेते हैं। दुकान पर सामान खरीदते समय, ऑटो किराया देते समय या दोस्त को पैसे लौटाते समय। लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि आपकी जेब में रखे ये नोट आखिर किस चीज से बने हैं? अगर आपका जवाब कागज है तो आप 99 प्रतिशत लोगों की तरह गलत जवाब दे रहे हैं। जी हां, आपकी जेब के वो कड़ाकड़ाते नोट कागज के नहीं बने हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय करेंसी नोट सामान्य कागज से नहीं बल्कि 100 प्रतिशत कॉटन फाइबर यानी शुद्ध कपास के रेशों से बनाए जाते हैं। यह कॉटन पेपर लकड़ी के पल्प से बने सामान्य कागज से पूरी तरह अलग होता है। यही वजह है कि नोट इतने मजबूत, लचीले और लंबे समय तक चलने वाले होते हैं।

ऐसे बनते हैं नोट

सामान्य कागज मुख्य रूप से लकड़ी के रेशों (वुड पल्प) से बनता है, जो सस्ता लेकिन कम टिकाऊ होता है। वहीं करेंसी नोट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला पेपर कॉटन लिंटर्स या कपास के महीन रेशों से तैयार किया जाता है। कुछ स्रोतों में 75 प्रतिशत कॉटन और 25 प्रतिशत लिनेन (सन के रेशे) का मिश्रण बताया जाता है, लेकिन RBI आधिकारिक रूप से 100 प्रतिशत कॉटन का जिक्र करता है। इस विशेष मिश्रण को जेलाटिन जैसे चिपकाने वाले पदार्थ के साथ मिलाया जाता है, जिससे नोट और भी मजबूत हो जाते हैं।

यहां छपते हैं नोट- नोट बनाने की पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय और उच्च सुरक्षा वाले कारखानों में होती है। भारत में नोटों की छपाई मुख्य रूप से चार जगहों पर होती है- नासिक (महाराष्ट्र), देवास (मध्य प्रदेश), सल्बोनी (पश्चिम बंगाल) और मैसूर (कर्नाटक)। इनमें से कुछ जगहों पर स्पेशल सिक्योरिटी पेपर मिल भी है, जहां कॉटन को पहले पल्प में बदलकर फिर पेपर शीट्स तैयार की जाती हैं।

क्यों इस्तेमाल किया जाता है कॉटन? इसके पीछे कई कारण हैं

टिकाऊपन: कॉटन फाइबर सामान्य कागज से 4-5 गुना ज्यादा मजबूत होता है। नोट बार-बार मुड़ने, रगड़ने या जेब में रखने पर भी आसानी से नहीं फटते।

पानी प्रतिरोध: सामान्य कागज पानी में भीगकर फट जाता है, लेकिन कॉटन बेस्ड नोट थोड़ा गीला होने पर भी ज्यादा खराब नहीं होते।

सुरक्षा फीचर्स: इस पेपर पर वॉटरमार्क, सिक्योरिटी थ्रेड, माइक्रो प्रिंटिंग और ड्र फीचर्स आसानी से लगाए जा सकते हैं, जिससे नकली नोट बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

उ पर्यावरण अनुकूल- कॉटन फाइबर प्राकृतिक और रिसाइकल करने योग्य होता है।

ये है भारत का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन पलक झपकते ही निकल जाता है प्लेटफॉर्म!

भारतीय रेलवे दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क्स में से एक है और इसका स्थान चौथे नंबर पर आता है। देशभर में फैले हजारों रेलवे स्टेशन और लाखों किलोमीटर लंबी पटरियां इसकी विशालता को दर्शाती हैं। आमतौर पर लोग New Delhi Railway Station या Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus जैसे बड़े और ऐतिहासिक स्टेशनों की बात करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा स्टेशन भी है, जिसका नाम सबसे छोटा है? इतना छोटा कि इसे बोलने में एक सेकंड भी नहीं लगता और ट्रेन से गुजरते वक्त यह पलक झपकते ही नजरों से ओझल हो जाता है। भारत का सबसे छोटे नाम वाला रेलवे स्टेशन है Ib Railway Station। यह स्टेशन ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में स्थित है और हावड़ा-नागपुर-मुंबई रेल मार्ग पर पड़ता है। इसका नाम पास से बहने वाली इब नदी के नाम पर रखा गया है। खास बात यह है कि इस स्टेशन का नाम अंग्रेजी के सिर्फ दो अक्षरों I और B से मिलकर बना है। दिलचस्प बात यह भी है कि भारतीय रेलवे के रिकॉर्ड में इससे छोटा नाम किसी और स्टेशन का नहीं मिलता। हालांकि, गुजरात के आणंद जिले में स्थित Od Railway Station का नाम भी दो अक्षरों का है, लेकिन पहचान और लोकप्रियता के मामले में IB स्टेशन सबसे आगे माना जाता है। Ib Railway Station के बारे में अक्सर कहा जाता है कि अगर आप ट्रेन में बैठे-बैठे झपकी ले रहे हों या मोबाइल में उलझे हों, तो यह स्टेशन कब आया और कब निकल गया, इसका अंदाजा भी नहीं लग पाता। इसका छोटा सा आकार और कम स्टॉपेज इसे और भी खास बना देते हैं। यहां बहुत कम ट्रेनें रुकती हैं, लेकिन जो यात्री यहां पहुंचते हैं, वे इसके पीले रंग के छोटे से साइनबोर्ड के साथ फोटो जरूर लेते हैं। जिस पर बड़े अक्षरों में सिर्फ 'IB' लिखा होता है। इस स्टेशन का इतिहास भी काफी दिलचस्प और पुराना है। इसकी शुरुआत साल 1891 में बंगाल नागपुर रेलवे के दौर में हुई थी। शुरुआती समय में यहां केवल मालगाड़ियों का आवागमन होता था, लेकिन समय के साथ यहां पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव भी शुरू हो गया। आज के डिजिटल युग में यह स्टेशन खास तौर पर रेल प्रेमियों और व्लॉगर्स के बीच लोकप्रिय हो गया है। अपनी अनोखी पहचान और सबसे छोटे नाम की वजह से यह लोगों के लिए एक खास चेक-इन स्पॉट बन चुका है।

आप सांसद मित्तल के यहां रेड पर लाल हुई सियासत

भाजपा पर आप का चौतरफा वार बोली- राजनीति से प्रेरित है छापा

» राघव चड्ढा को हटाकर अशोक मित्तल को मिली थी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी के राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी छापेमारी की है। इस छापेमारी के बाद पंजाब से लेकर दिल्ली तक सियासी बवाल मच गया है। आप और भाजपा आमने सामने आ गए हैं। जहां आप बोल रही है विधान सभा चुनाव की वजह से ये सब हो रहा है तो भाजपा बोल रही है पुराने गलत काम सामने आ रहे हैं। यह कार्रवाई इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि कुछ ही दिन पहले मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का डिप्टी लीडर नियुक्त किया गया था।

उन्होंने राघव चड्ढा की जगह ली थी, जिनके बारे में खबरें थीं कि उनके अरविंद केजरीवाल के साथ मतभेद चल रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी की टीमों ने 8 से 9 जगहों पर तलाशी ली, जिनमें गुरुग्राम और पंजाब के कुछ ठिकाने भी शामिल हैं। सांसद के आवास, उनके बेटे की संपत्तियों और एक फार्महाउस पर छापेमारी की गई। आम आदमी पार्टी ने अक्सर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि जब भी कोई नेता सक्रिय होता है या उसे बड़ी जिम्मेदारी दी जाती है, केंद्र सरकार एजेंसियों का इस्तेमाल कर उसे रोकने की कोशिश करती है। राजनीतिक गलियारों में इस छापेमारी को हालिया बदलावों से जोड़कर देखा जा रहा है। राघव चड्ढा, जो लंबे समय तक राज्यसभा में पार्टी का चेहरा रहे थे, उन्हें हटाकर अशोक मित्तल को जिम्मेदारी दी गई थी। इस नियुक्ति के महज कुछ दिनों बाद ही ईडी की यह कार्रवाई आप के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने भी एक्स पर लिखा- मोदी ने पंजाब में चुनावों की तैयारी शुरू कर दी। लेकिन पंजाब के लोग ये बर्दाश्त नहीं करेंगे। बीजेपी को इसका करारा जवाब देंगे।

भाजपा को करारा जवाब देंगे : केजरीवाल

यह छापेमारी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण : अमन अरोड़ा

आम आदमी पार्टी के पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, और आज पूरा देश इसे देख रहा है। भारत के सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट्स की बार-बार की टिप्पणियों के बावजूद एजेंसियों का कथित तौर पर केंद्र सरकार, भारतीय जनता पार्टी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह द्वारा दुरुपयोग किया जाता है। विशेष रूप से आप के नेतृत्व के खिलाफ– अरविंद केजरीवाल से लेकर मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और संजय सिंह तक–इन सभी को कथित तौर पर झूठे मामलों में फंसाया गया है। ये सभी कदम भाजपा द्वारा 2027 के चुनावों की तैयारियों का ही हिस्सा हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं।

आप के कारनामे सामने आ रहे हैं : सुनील जाखड़

पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, दही खट्टा कौन कहता है! आपके एमएलए, मंत्री और एमपी के कारनामे हर दिन सबके सामने आ रहे हैं। अगर आपकी सरकार ने एक्शन नहीं लिया, तो भारत सरकार को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक्शन लेना पड़ेगा। बाकी स्कॉलरशिप घोटाले की जांच के आदेश भी हाईकोर्ट ने दिए हैं। वहीं इस रेड पर सीएम भगवंत मान ने ट्वीट कर तंज कसा। सीएम ने लिखा-भाजपा द्वारा पंजाब चुनाव की तैयारी शुरू आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद अशोक मित्तल के घर और यूनिवर्सिटी में ईडी की रेड..टिपिकल मोदी स्टाइल.. हम वो पत्ते नहीं जो शाख से टूट कर गिर जाएंगे, आंधियों को कह दो अपनी औकात में रहें।

महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार का स्तर गिर चुका है : राउत

» शिवसेना नेता ने पूछा- बच्चों के खेल के मैदानों पर भी फाइव स्टार होटल क्यों?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार का स्तर गिर चुका है। एकनाथ शिंदे और केंद्र सरकार बच्चों के खेल के मैदानों पर भी फाइव स्टार होटल बनाने की योजना बना रहे हैं। बच्चों के पास खेलने के लिए मैदान नहीं बचेंगे, और दूसरी तरफ बड़े-बड़े होटल बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा, लेकिन यह यहां लागू होता नहीं दिख रहा। अगर ऐसी ही नीति रही तो शिवाजी पार्क जैसे ऐतिहासिक मैदानों पर भी निर्माण किया जाएगा क्या?

आईपैक पर ईडी की कार्रवाई पर उठाए सवाल

शिवसेना युबीटी नेता सुजय राउत ने कहा, कि आईपैक के मामले में जिस प्रकार से प्रवर्तन नेदेशालय ने कार्रवाई की है, वह निष्पक्ष नजर नहीं आती। पश्चिम बंगाल में चुनाव का माहौल है और सभी लोग चुनाव में व्यस्त हैं, लेकिन श्वाछ ने केवल बीजेपी के विरोधियों पर ही कार्रवाई की है. यह उनका पुराना तरीका रहा है। मुझे लगता है कि ममता बनर्जी खुद इस मामले में सक्रिय रही हैं और ईडी कार्यालय तक गई थीं, लेकिन पश्चिम बंगाल में अंततः जीत ममता दीदी की ही होगी। इसके अलावा राउत ने 90 लाख मतदाताओं के मतदान अधिकार पर न्यायापालिका की खामोश पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा, अब सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट अंतरिम आदेश क्यों नहीं दे रहा? क्या बीजेपी जो चाहती है वही होगा? अगर 90 लाख मतदाताओं को वोट देने का अधिकार नहीं मिल रहा है, तो संविधान का क्या हुआ? सुप्रीम कोर्ट के पास पूरा अधिकार है कि वह इस पूरे मामले की जांच करें और संबंधित अधिकारियों को कठघरे में खड़ा कर जवाब मांगे।

क्या आजाद मैदान और कामगार मैदान भी सुरक्षित नहीं रहेंगे? उन्होंने आगे कहा, खदान मालिक खुलेआम काम कर रहे हैं और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। लोगों के पीने के पानी तक पर असर पड़ रहा है। मैंने मुख्यमंत्री को इस संबंध में पत्र लिखा है। रॉयल स्टील कंपनी बीजेपी को बड़ा चंदा देने वाली बताई जाती है. क्या नक्सलवाद इसलिए खत्म किया गया कि खदान मालिकों को खुली छूट मिल सके?

हरीशचंद्र मीना ने उठाए महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सवाल

» कांग्रेस सांसद का भाजपा सरकार पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक । टोंक में आंबेडकर जंयती पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद हरीशचंद्र मीना ने शिरकत की। उन्होंने केन्द्र और राज्य की सरकार पर तीखा हमाल बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए कहा कि पहले तो बहुत से लोगों ने बाबा साहब का विरोध किया था, लेकिन आज तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी आयोजन कर रहे हैं। सीएम कह रहे हैं कि वे जन्म से ही बाबा साहेब का अनुयायी हैं, लेकिन बाबा साहेब तो उनके जन्म से पहले ही चले गए थे। अपने संबोधन के दौरान हरीशचंद्र मीना ने देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव में हार का जिक्र भी किया और मंच से अपनी पीड़ा व्यक्त की।

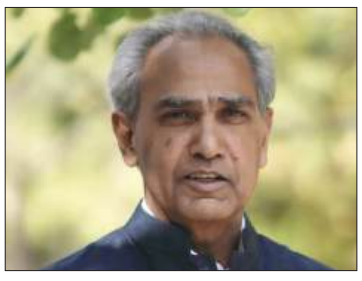

उन्होंने बिना नाम लिए राजनीतिक विरोधियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कुछ लोग समाज को बांटने और गुमराह करने का काम करते हैं, जिससे चुनावी परिणाम प्रभावित होते हैं। महिला आरक्षण बिल को लेकर संसद में बुलाए गए विशेष सत्र पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल , 17 अप्रैल और 18 अप्रैल तारीख को बुलाए गए इस सत्र को लेकर स्पष्टता की जरूरत है। उनके अनुसार, यह मुद्दा जितना सरल दिखता है, उतना है नहीं, और इस पर आपसी चर्चा के साथ-साथ सदन में भी विस्तृत विचार-विमर्श होना चाहिए।

भाजपा में सब ठीक नहीं है : गहलोत

» वसुंधरा राजे के बयान पर सियासत गरमाई, भाजपा के अंदरखाने भी बयानबाजी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के हालिया बयान को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। बयान पर विवाद बढ़ने के बाद खुद राजे को सामने आकर सफाई देनी पड़ी, लेकिन मामला शांत होने के बजाय और तूल पकड़ता नजर आ रहा है। वसुंधरा राजे ने स्पष्ट किया कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और गलत संदर्भ में प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी किसी पद की इच्छा या मांग की बात नहीं की, बल्कि उनके लिए जनता का स्नेह और समर्थन ही सबसे बड़ा है। उधर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने उनका साथ दिया है।

राजे साथ यह भी आरोप लगाया कि कुछ षड्यंत्रकारी तत्व उनकी बातों को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, बारां जिले में सड़क निर्माण से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा था कि जब धौलपुर में उनके निवास के सामने सड़क निकाली गई, तब उन्हें भी अपनी बाउंड्री पीछे करनी पड़ी थी। इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं और विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बना लिया। बीजेपी के भीतर भी इस बयान को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मारवाड़ी अंदाज में एक दोहा सुनाते हुए परोक्ष रूप से जवाब दिया, जिसे राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। इससे यह साफ संकेत मिल रहा है कि पार्टी के अंदर भी मतभेद मौजूद हैं।

वसुंधरा राजे को सफाई देने की जरूरत ही नहीं थी

कांग्रेस ने इस पूरे घटनाक्र म को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वसुंधरा राजे को सफाई देने की जरूरत ही नहीं थी, लेकिन बीजेपी के भीतर ही कौन क्या कह रहा है, यह सबके सामने है। उन्होंने तंज कसा कि भाजपा कांग्रेस पर आरोप लगाती है, जबकि उनकी अपनी स्थिति ही अस्थिर नजर आ रही है। कांग्रेस ने दावा किया कि उनकी पार्टी पूरी तरह एकजुट है और आगामी चुनाव में सत्ता में वापसी करेगी। इधर, बीजेपी के भीतर जारी बयानबाजी ने एक बार फिर प्रदेश की राजनीति में अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी की चर्चाओं को हवा दे दी है।

लखनऊ के सामने आरसीबी के बल्लेबाजों की बड़ी चुनौती

» दोनों टीमों के बीच मुकाबला आज, एलसजी को शमी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। आईपीएल 2026 में आज गत चैंपियन आरसीबी का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। आरसीबी अभी छह अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों के मन में जितना खौफ पैदा किया है, उतना कोई अन्य टीम नहीं कर पाई है। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है और सभी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह उसके शीर्ष पांच बल्लेबाजों के स्ट्राइक रेट में साफ झलकता है।

आईपीएल में सभी टीमों के गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश की है। वहीं, उसकी गेंदबाजी भी ठीक है। टीम ने पिछले मैच में जोश हेजलवुड को प्लेइंग-11 से बाहर रखा था और माना जा रहा है कि वह लखनऊ के खिलाफ भी नहीं खेलेंगे। वहीं आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर अगले तीन मैच में भी परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेगा। लेकिन क्या चिन्नास्वामी स्टेडियम में सुपर जायंट्स के गेंदबाजी आक्रमण से उन्हें किसी तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

एलएसजी की तरफ से अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है, उनके साथी प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी ने भी अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद एलएसजी तालिका में सातवें स्थान पर है और इसका मुख्य कारण उसके बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन है। ऋषभ पंत की अगुआई वाला बल्लेबाजी क्रम अभी तक लय में नहीं आया है। स्वयं कप्तान पंत चार मैचों में 130 के स्ट्राइक रेट से 103 रन ही बना पाए हैं।

केकेआर का अब तक चार मैचों में नहीं खुला जीत का खाता

चेन्नई। नूर अहमद की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सीएसके ने केकेआर को 32 रनों से हरा दिया। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। कोलकाता की टीम आईपीएल में अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है, जबकि सीएसके की यह लगातार दूसरी जीत है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर ने इस मैच में ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया। केकेआर के लिए पारी की शुरुआत करने फिन एलेन के साथ सुनील नरेन आए। हालांकि, उसका यह प्रयोग भी काम नहीं आया क्योंकि एलेन सस्ते में आउट हो गए। केकेआर की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि उसने छह विकेट 90 रन पर ही गंवा दिए। नूर अहमद ने लगातार दो गेंदों पर केकेआर को दो झटके दिए। हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। इसके बाद रमनदीप और रोवमैन पॉवेल ने सातवें विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी की, लेकिन टीम के हाथ से मैच तब तक पूरी तरह निकल चुका था।

देश के श्रमिकों की अंतिम पुकार पीएम मोदी ने की अनसुनी : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष ने किया नोएडा के श्रमिकों की मांग का समर्थन

» ट्विटर पर एक लंबा पोस्ट लिखकर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। प्रदर्शन के कुछ हिस्सों में हिंसा भड़की और आगजनी व तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाया। हालांकि इस घटना के बाद नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रमिकों की मांग का समर्थन करते हुए ट्विटर पर एक लंबा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार द्वारा उनकी मांगों को नजरअंदाज करने की कड़ी आलोचना की।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सोमवार को नोएडा में जो हुआ वह देश के श्रमिकों की अंतिम पुकार थी। नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। प्रदर्शन के कुछ हिस्सों में हिंसा भड़की और आगजनी व तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाया। राहुल ने श्रमिकों की मांग का समर्थन करते हुए ट्विटर पर एक लंबा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार द्वारा उनकी मांगों को नजरअंदाज करने की कड़ी आलोचना की।

बेलगाम महंगाई जिंदगी का गला घोंट रही

राहुल ने लिखा कि कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो इस देश के श्रमिकों की आखिरी चीख़ थी - जिसकी हर आवाज़ को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले एक मज़दूर की 12000 महीने की तनख्वाह, 4000-7000 किराया। जब तक 3000 की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 सालाना किराया बढ़ा देता है। तनख्वाह बढ़ने तक ये बेलगाम महंगाई ज़िंदगी का गला घोंट देती है, कर्ज़ की गहराई में डुबा देती है - यही है विकसित भारत का सच। एक महिला मज़दूर ने कहा गैस के दाम बढ़ते हैं, पर हमारी तनख्वाह नहीं। इन लोगों ने शायद इस गैस संकट के दौरान अपने घर का चूल्हा जलाने के लिए ?500 का भी सिलेंडर खरीदा होगा। यह सिर्फ़ नोएडा की बात नहीं है। और यह सिर्फ़ भारत की भी बात नहीं है। दुनियाभर में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं - पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से सप्लाई चेन टूट गई है।

मजदूर पर टैरिफ वॉर की सबसे बड़ी मार

मगर, अमेरिका के टैरिफ़ वॉर, वैश्विक महंगाई, टूटती सप्लाई चेन - इसका बोझ मोदी जी के मित्र उद्योगपतियों पर नहीं पड़ा। इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है उस मज़दूर पर जो दिहाड़ी कमाता है, तभी रोज़ खाता है। वो मज़दूर, जो किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जिसने कोई नीति नहीं बनाई - जिसने बस काम किया। चुपचाप। बिना शिकायत। और उसके बदले अपना हक मांगने पर उन्हें मिलता क्या है? दबाव और अत्याचार। एक और ज़रूरी मुद्दा - मोदी सरकार ने 4 लेबर कोड जल्दबाज़ी में बिना संवाद नवंबर, 2025 से लागू कर, काम का समय 12 घंटे तक बढ़ा दिया। जो मज़दूर हर रोज़ 12-12 घंटे खड़े होकर काम करता है फिर भी बच्चों की स्कूल फ़ीस कर्ज़ लेकर भरता है - क्या उसकी मांग गैरवाजिब है? और जो उसका हक़ हर रोज़ मार रहा है - वो विकास कर रहा है? नोएडा का मज़दूर ?20000 माँग रहा है। यह कोई लालच नहीं - यह उसका अधिकार, उसकी जिंदगी का एकमात्र आधार है। मैं हर उस मज़दूर के साथ हूं - जो इस देश की रीढ़ है और जिसे इस सरकार ने बोझ समझ लिया है।

पवन खेड़ा को नहीं मिली राहत

» सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम छूट पर रोक लगाई

» हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ा झटका दिया है, क्योंकि उसने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा द्वारा दायर एक मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें गिरफ्तारी से बचाने के लिए दी गई अग्रिम छूट पर रोक लगा दी है।

असम में दर्ज एफआईआर, खेड़ा के इस दावे पर आधारित है कि उनके पास कई देशों के पासपोर्ट हैं, जिससे पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। 10 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने पवन खेड़ा को कुछ शर्तों के साथ एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दी, जिससे उन्हें आगे की राहत के लिए उचित न्यायालय में जाने का समय मिल गया। खेड़ा ने 7 अप्रैल को उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने हैदराबाद का अपना आवासीय पता दर्ज कराया और गिरफ्तारी से सुरक्षा की मांग की।

छत्तीसगढ़ में वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटने से 14 की मौत

» हादसे की जांच के लिए कांग्रेस ने गठित की समिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। सिंहितराई गांव स्थित वेदांता लिमिटेड पावर प्लांट में बॉयलर की स्टीम ट्यूब फटने से हुए जबरदस्त धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। इस हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस पर गहरा दुख प्रकट किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एक पावर प्लांट में हुए धमाके में हुई मौतों पर दुख जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एक पावर प्लांट में लोगों की मौत की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। इस दुखद दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। वहीं हादसे की जांच के लिए कांग्रेस ने समिति गठित की। सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में 14 मजदूरों की मौत हो गई है और 26 मजदूर घायल हैं, जिनका इलाज जारी है। वेदांता पावर प्लांट हादसे को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने 10 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है।समिति का संयोजक पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को बनाया गया है। पूर्व मंत्री नोबल वर्मा सहित कई विधायक सदस्य बनाए गए हैं। रामकुमार यादव, उत्तरी जांगड़े, बलेश्वर साहू समेत कई नेता शामिल हैं। समिति को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर जांच के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस ने समिति को निर्देश दिए हैं कि वह मौके पर जाकर पीड़ितों और स्थानीय लोगों से मुलाकात करे। समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी।

पंजाब में दर्दनाक सड़क हादसा, फतेहगढ़ साहिब में बस पेड़ से टकराई, 5 यात्रियों की मौत, 15 घायल

चंडीगढ़। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले से बुधवार की सुबह एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। बस्सी पठाना के पास एक निजी बस के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा जाने के कारण कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, यह भीषण दुर्घटना बुधवार सुबह उस समय हुई जब यात्रियों से खचाखच भरी एक बस अपने गंतव्य की ओर जा रही थी। बस्सी पठाना के पास चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस सड़क से नीचे उतर गई और किनारे लगे पेड़ों से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक टीमें राहत व बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंच गईं। गैस कटर और अन्य उपकरणों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

राघव चड्ढा को केंद्र सरकार ने दी जेड सिक्योरिटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने राघव चड्ढा की सिक्योरिटी को वापस ले लिया है, जिसके बाद केंद्र सरकार ने राघव चड्ढा को जेड सिक्योरिटी कवर दिया है। दिल्ली और पंजाब में राघव चड्ढा को जेड सुरक्षा कवर मिलेगा, जबकि बाकी जगहों के लिए वाई प्लस सिक्योरिटी रहेगी।

सूत्रों के मुताबिक, आईबी की थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट के आधार पर गृह मंत्रालय ने ये फैसला लिया है। आम आदमी पार्टी ने हाल ही में राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता के पद से हटा दिया था और उनके सदन में बोलने पर भी रोक लगा दी थी. उनकी जगह आम आदमी पार्टी ने अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता बनाया है. ये भी दिलचस्प है कि प्रवर्तन निदेशालय ने आज ही अशोक मित्तल के जालंधर स्थित घर और उनकी निजी यूनिवर्सिटी में छापेमारी की है।

नोएडा हिंसा : आरजेडी की प्रियंका भारती समेत चार के खिलाफ केस

» फेक वीडियो पोस्ट कर आग भड़काने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। नोएडा की साइबर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी और भड़काऊ वीडियो प्रसारित कर सार्वजनिक शांति भंग करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय जनता दल की प्रवक्ता प्रियंका भारती सहित कई अन्य उपयोगकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

यह मामला 11 अप्रैल 26 को मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के एक पुराने वीडियो को नोएडा का बताकर प्रसारित करने से जुड़ा है, जिसमें पुलिस को एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते हुए दिखाया गया था। इसके अलावा, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सेक्टर-62 में आगजनी का एक झूठा वीडियो भी फैलाया गया था। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि इस सुनियोजित साजिश का मुख्य उद्देश्य नोएडा के नागरिकों में प्रशासन के प्रति अविश्वास और भय का माहौल पैदा करना था।

साइबर क्राइम थाने में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, जितेंद्र कुमार दौसा ने फेसबुक पर एक वीडियो साझा किया था, जो असल में मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का था। इस वीडियो में एक व्यक्ति हंगामा कर रहा था, जिसे जितेंद्र दौसा ने नोएडा का मजदूर बताकर भ्रामक कैप्शन के साथ प्रचारित किया। इसका उद्देश्य लोगों को उकसाना और भ्रमित करना था। इसी प्रकार, क्स हैंडल से नोएडा के सेक्टर-62 में आगजनी का दावा करने वाला एक वीडियो भी चलाया गया, जिसे पुलिस जांच में पूरी तरह से फर्जी पाया गया। इन भ्रामक पोस्ट्स के कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में तनाव और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया था।पुलिस जांच में यह सामने आया है कि यह कृत्य एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था।

ईरान-अमेरिका युद्ध अब अंत के करीब!

राष्ट्रपति ट्रंप का दावा- युद्ध के कारण ईरान नहीं बना सका परमाणु हथियार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ चल रहा युद्ध अब खत्म होने के करीब है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह अभी अपनी सेना हटा लेते हैं, तो तेहरान को फिर से खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे।

ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी सेंट्रल कमांड के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप की नाकेबंदी के पहले 24 घंटों में उसने ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों से आने-जाने वाले सभी जहाजों को सफलतापूर्वक रोक दिया है। कमांड ने यह भी कहा कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाज़ों के लिए नेविगेशन की आजादी का समर्थन कर रहा है। ट्रंप ने बताया कि, अगर वह ईरान पर अपना ध्यान नहीं लगाते तो उनके पास परमाणु हथियार होता, और वहां मौजूद हर किसी को सर कहकर बुला रहे होते। जबकि ऐसा करना कोई नहीं चाहेगा। मालूम हो कि 28 फरवरी को शुरू हुए इस युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए इस्लामाबाद में एक लंबी बातचीत शुरू की गई थी। हालांकि इस वार्ता के दौरान, अमेरिका और ईरान किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए थे।

बातचीत का दूसरा दौर जल्द ही इस्लामाबाद में फिर

इसके अलावा अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि, ट्रंप ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर जल्द ही इस्लामाबाद में शुरू कर सकते है। वहीं, ट्रंप ने बातचीत के दूसरे दौर की संभावना का श्रेय पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा